'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours/Programme 4th Semester Examination, 2022

SEC1-P2-PHILOSOPHY

CRITICAL THINKING

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.
All symbols are of usual significance.

SECTION-I / विभाग-क / বিভাগ-ক / খণ্ড-ক

1. Answer any ***four*** questions from the following: 3×4 = 12

निम्नलिखित चार प्रश्नों के उत्तर दिजिए –

নিম্নলিখিত যে-কোন ***চারটি*** প্রশ্নের উত্তর দাওঃ

কুনৈ চার প্রশ্নকো উত্তর দিনুহোস্ –

(a) What is critical thinking according to R. B. Das? 3

रासबिहारी दास के अनुसार 'आलोचनात्मक चिंतन' क्या है ?

রাসবিহারি দাসের মতে সবিচার চিন্তন বলতে কি বোঝ ?

रासबिहारी दास अनुसार आलोचनात्मक सोचाई के हो ?

(b) Why R. B. Das claims himself to be theoretical realist? 3

रासबिहारी दास स्वयं को सैद्धांतिक यथार्थवादी होने का दावा क्यों करते हैं ?

রাসবিহারি দাস কেন নিজেকে তাত্ত্বিক বাস্তববাদী বলে দাবি করেছেন ?

किन रासबिहारी दासले आफैलाई सैद्धान्तिक यथार्थवादी भनेर दावी गर्छन् ?

(c) Is there any difference between knowledge and consciousness? 3

क्या ज्ञान और चेतना में कोई भेद है ?

জ্ঞান ও চেতনার মধ্যে কি কোনরূপ পার্থক্য আছে ?

के ज्ञान अनि चेतना माझ भिन्नता छ ?

(d) What is self-knowledge? 3

'आत्म-ज्ञान' से क्या तात्पर्य है ?

আত্মজ্ঞান বলতে কি বোঝায় ?

आत्म ज्ञान भनेको के हो ?

(e) What is Vitanda? 3

'वितंडा' क्या है ?

'বিতণ্ডা' বলতে কি বোঝায় ?

'वितान्ड' के हो ?

(f) When does Saṁśaya arises? 3

'संशय' की सृष्टि कब होती है ?

সংশয়ের উৎপত্তি কখন হয় ?

'संशय' कहिले सृष्टि हुन्छन् ?

SECTION-II / विभाग-ख / বিভাগ-খ / खण्ड-ख

2. Answer any ***four*** of the following: 6×4 = 24

निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दिजिए –

নিম্নলিখিত যে-কোন ***চারটি*** প্রশ্নের উত্তর দাওঃ

कुनै चार प्रश्नको उत्तर दिनुहोस् –

(a) Distinguish between knowledge and true knowledge. What are the nature of true knowledge? 3+3 = 6

'ज्ञान' एवं 'सत्यज्ञान' में अंतर स्पष्ट कीजिए। 'सत्यज्ञान' की प्रकृति क्या होती है ?

জ্ঞান ও সত্যজ্ঞানের মধ্যে পার্থক্য লেখ। সত্যজ্ঞানের প্রকৃতি কি ?

ज्ञान अनि साँचो-ज्ञान माझ भिन्नता लेख्नुहोस्। साचो ज्ञानको स्वभाव के-के छन् ?

(b) Make a difference between primary and secondary knowledge. 6

प्राथमिक एवं द्वितीयक ज्ञान में अंतर स्पष्ट कीजिए।

মুখ্য ও গৌণ গুণের মধ্যে পার্থক্যগুলি লেখ।

प्राथमिक अनि गौण ज्ञान माझ भिन्नता बनाउनुहोस्।

(c) "In philosophy we seek to know the reality as a whole". Discuss in brief. 6

''दर्शनशास्त्र में हम वास्तविकता को समग्र रूप से जानना चाहते हैं।''– उक्त कथन की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

''দর্শনে আমরা বাস্তবতাকে একটি সমগ্র বা অখণ্ডরূপে জানবার চেষ্টা করি''। সংক্ষেপে আলোচনা কর।

''दर्शन शास्त्रेमा हामिले वास्तविकतालाई परिपूर्णतामा थाहा गर्छन्।'' संक्षिप्त चर्चा गर्नुहोस्।

(d) How is Jalpa different from Vada? 6

'वाद' से 'जलपा' कैसे भिन्न है ? स्पष्ट कीजिए।

'জল্প' কিভাবে 'বাদ' থেকে ভিন্ন ? আলোচনা কর।

जलपा वादबाट कसरी छुट्याउन सकिन्छ ?

(e) What are the characteristics of Saṁśaya? 6

'संशय' की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

সংশয়ের বৈশিষ্ট্যগুলি আলোচনা কর।

संशायको विशेषताहरू के-के हुन् ?

(f) Explain the lakshana of Vitanda as explained in Nyāya Darshana. 6

न्यायदर्शन में उल्लेखित 'वितंडा' के लक्षणों का वर्णन कीजिए।

ন্যায়দর্শনে উল্লিখিত বিতণ্ডার লক্ষণগুলি আলোচনা কর।

न्याय दर्शन अनुसार वितान्डको लक्षण व्याख्या गर्नुहोस्।

SECTION-III / विभाग-ग / বিভাগ-গ / खण्ड-ग

Answer any *two* of the following 12×2 = 24

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दिजिए

নিম্নলিখিত যে-কোন *দুইটি* প্রশ্নের উত্তর দাও

कुनै दुई प्रश्नको उत्तर दिनुहोस्

3. "What is the utility of philosophy in our practical life"? Explain. 12

''हमारे व्यावहारिक जीवन में दर्शन की क्या उपयोगिता है''? उक्त कथन की विवेचना कीजिए।

''ব্যাবহারিক জীবনে দর্শনের উপযোগিতা কি''? বিশ্লেষণ কর।

व्यावहारिक जीवनमा दर्शन शास्त्रको उपयोगिता के हो ? व्याख्या गर्नुहोस्।

4. Explain the role of philosophy as a method of critical thinking. 12

आलोचनात्मक चिंतन की विधि के रूप में दर्शन की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

''সবিচার চিন্তনের'' পদ্ধতি হিসাবে দর্শনের ভূমিকা আলোচনা কর।

दर्शनशास्त्रमा आलोचनात्मक सोचाईको विधिभै व्याख्या गर्नुहोस्।

5. Explain Vada and its Lakshana following Nyāya Darshana. 12

न्यायदर्शन में उल्लेखित 'वाद' एवं उसके लक्षणों का वर्णन कीजिए।

ন্যায় দর্শনে বর্ণিত 'বাদ' ও 'তার লক্ষণগুলি' আলোচনা কর।

न्याय दर्शन अनुसार वाद अनि वादको लक्षण व्याख्या गर्नुहोस्।

6. Write a note on Tarka and its role in ascertainment of Vyāpti. 12

'तर्क' पर टिप्पणी लिखिए एवं व्याप्तिज्ञान निर्णय करने में तर्क की भूमिका का वर्णन कीजिए।

'তর্ক' ও ব্যাপ্তিজ্ঞান লাভে তর্কের ভূমিকা বিষয়ে আলোচনা কর।

व्याप्तिलाई निश्चितता गर्नुमा तर्क अनि तर्कका भूमिका बारे टिप्पणी लेख्नुहोस्।

——×——